Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 10

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत-II

अध्याय-3 : जल संसाधन

भाग - 5

अभ्यास प्रश्न

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



बहुवैकल्पिक प्रश्न

1 नीचे दी गई सूचना के आधार पर स्थितियों को 'जल की कमी से प्रभावित' या 'जल की कमी से अप्रभावित ‘में वर्गीकृत कीजिए।

अ अधिक वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र

ब अधिक वर्षा और अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र

स अधिक वर्षा वाले, परंतु अत्यधिक प्रदूषित जल क्षेत्र

द कम वर्षा और कम जनसंख्या वाले क्षेत्र

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 | निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं के पक्ष में दिया गया तर्क **नहीं** है?

अ बहुउद्देशीय परियोजनाएँ उन क्षेत्रों में जल लाती है जहाँ जल की कमी होती है।

ब बहुउद्देशीय परियोजनाएँ जल बहाव को नियंत्रित करके बाढ़ पर काबू पाती है।

स बहुउद्देशीय परियोजनाओं से बृहत् स्तर पर विस्थापन होता है और आजीविका खत्म होती है।

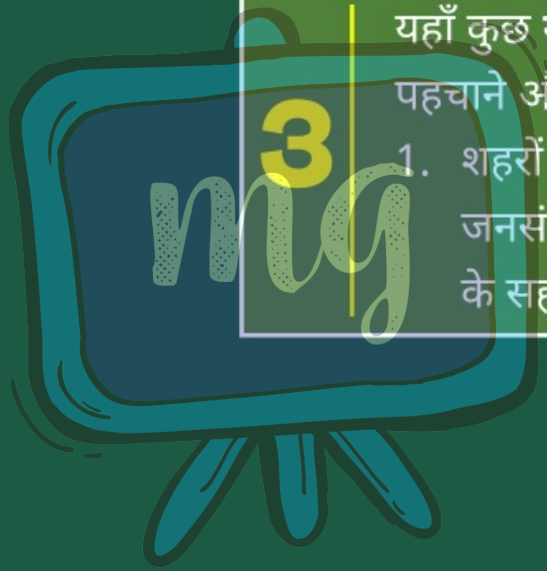
द बहुउद्देशीय परियोजनाएँ हमारे उद्योग और घरों के लिए विद्युत पैदा करती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





3

यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

1. शहरों की बढ़ती संख्या, उनकी विशालता और सघन जनसंख्या तथा शहरी जीवन शैली ने जल संसाधनों के सही उपयोग में मदद की है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

1. शहरों की बढ़ती संख्या, उनकी विशालता और सघन जनसंख्या तथा शहरी जीवन शैली ने जल संसाधनों के सही उपयोग में मदद की है।

उत्तर :

शहरों की बढ़ती संख्या, उनकी विशालता और सघन जनसंख्या तथा शहरी जीवन शैली के कारण जल संसाधनों का अतिशोषण हो रहा है।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





3

यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

2. नदियों पर बाँध बनाने और उनको नियंत्रित करने से उनका प्राकृतिक बहाव और तलछट बहाव प्रभावित नहीं होता।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

2. नदियों पर बाँध बनाने और उनको नियंत्रित करने से उनका प्राकृतिक बहाव और तलछट बहाव प्रभावित नहीं होता।

उत्तर :

नदियों पर बाँध बनाने और उनको नियंत्रित करने से उनका प्राकृतिक बहाव अवरूद्ध होता है जिसके कारण तलछट बहाव कम हो जाता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

3. गुजरात में साबरमती बेसिन में सूखे के दौरान शहरी क्षेत्रों में अधिक जल आपूर्ति करने पर भी किसान नहीं भड़के।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

3. गुजरात में साबरमती बेसिन में सूखे के दौरान शहरी क्षेत्रों में अधिक जल आपूर्ति करने पर भी किसान नहीं भड़के।

उत्तर :

गुजरात में साबरमती बेसिन में सूखे के दौरान शहरी क्षेत्रों में अधिक जल आपूर्ति करने पर परेशान किसान उपद्रव पर उतारू हो गये।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3

यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

4. आज राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर से उपलब्ध पेयजल के बावजूद छत वर्षा जल संग्रहण लोकप्रिय हो रहा है।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 यहाँ कुछ **गलत वक्तव्य** दिए गए हैं। इसमें गलती पहचाने और दोबारा लिखें।

4. आज राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर से उपलब्ध पेयजल के बावजूद छत वर्षा जल संग्रहण लोकप्रिय हो रहा है।

उत्तर :

आज राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर से उपलब्ध पेयजल के कारण छत वर्षा जल संग्रहण की लोकप्रियता कम होती जा रही है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

1 | व्याख्या करें कि जल किस प्रकार नवीकरण योग्य संसाधन है ?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

1 व्याख्या करें कि जल किस प्रकार नवीकरण योग्य संसाधन है ?

उत्तर :

- जल हमें सतही अपवाह और भौमजल स्रोत से प्राप्त होता है।
- जल का लगातार नवीकरण और पुनर्भरण प्राकृतिक रूप से जलीय-चक्र द्वारा होता रहता है।
- सारा जल जलीय-चक्र में गतिशील रहता है जिससे जल का नवीकरण सुनिश्चित होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 | जल दुर्लभता क्या है और इसके मुख्य कारण क्या है ?



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 जल दुर्लभता क्या है और इसके मुख्य कारण क्या है ?

उत्तर :

मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जल की कमी जल-दुर्लभता कहलाती है।

इसके प्रमुख कारण है –

- अत्यधिक और निरंतर बढ़ती जनसंख्या
- उपलब्ध जल का अति-उपयोग
- जल प्रदूषण
- समाज में जल का असमान वितरण

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



3 बहुउद्देशीय परियोजनाओं से होने वाले लाभ और हानियों की तुलना करें ?

उत्तर :

बहुउद्देशीय परियोजनाओं के लाभ –

- बिजली-उत्पादन में बढ़ोतरी होती है।
- बाढ़ नियंत्रण में सहायक है।
- मछली पालन में सहायक है।
- पर्यटन को बढ़ावा मिलाता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



बहुउद्देशीय परियोजनाओं की हानियाँ –

- नदियो का बहाव बाधित होता है।
- परिणामस्वरूप स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को नुकसान होता है।
- स्थानीय लोगों को उनकी जमीन, आजीविका और संसाधनों से हाथ धोना पड़ता है।
- बांधो के जलाशयों में रुके पानी के कारण जल प्रदूषण होता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए।

1 राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में वर्षा जल संग्रहण किस प्रकार किया जाता है ? व्याख्या कीजिए I

उत्तर :

- राजस्थान के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों (बीकानेर, फलोदी, बाड़मेर आदि) में पीने के पानी को इकट्ठा करने हेतु भूमिगत टैंक अथवा टाँका का प्रयोग किया जाता है।
- टाँका सुविकसित छत वर्षाजल संग्रहण तंत्र का अभिन्न हिस्सा होता है, जिसे मुख्य घर या आँगन में बनाया जाता है।
- ये घरों की ढलवाँ छतों से पाइप द्वारा जुड़े होते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



- छत से वर्षा का पानी इन नालों से होकर भूमिगत टाँका तक पहुँचता है जहाँ इसे एकत्रित किया जाता है।
- वर्षा का पहला जल छत और नालों को साफ़ करने में प्रयोग होता है और उसे संग्रहित नहीं किया जाता है।
- इसके बाद होने वाली वर्षा का जल संग्रह किया जाता है।
- टाँका में वर्षा जल अगली वर्षा ऋतु तक संग्रहित किया जा सकता है।
- यह इसे जल कमी वाली ग्रीष्म ऋतु तक पीने का जल उपलब्ध कराने वाला जल स्रोत बनाता है।
- टाँका भूमिगत कमरों को ठंडा रखने में भी सहायता करता है जिससे ग्रीष्म ऋतु में गर्मी से राहत मिलती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



2 परंपरागत वर्षा जल संग्रहण की पद्धतियों को आधुनिक काल में अपना कर जल संरक्षण एवं भंडारण किस प्रकार किया जा रहा है?

उत्तर :

- वर्षा जल संग्रहण पद्धति, वर्षा के जल को पीने के लिए एकत्रित करने की एक विधि है।
- प्राचीन भारत में उत्कृष्ट जल संग्रहण ढाँचे पाए जाते थे।
- लोगों को वर्षा पद्धति और मृदा के गुणों के बारे में गहरा ज्ञान था।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



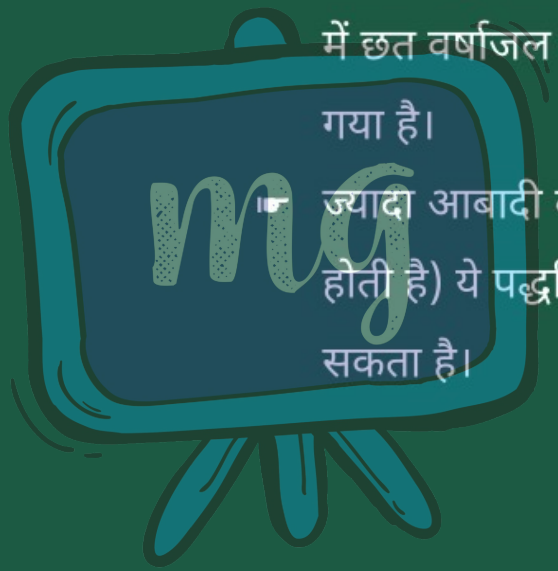
- उन्होंने स्थानीय पारिस्थितिकीय परिस्थितियों और अपनी जल आवश्यकतानुसार वर्षा जल, भौम जल, नदी जल और बाढ़ जल संग्रहण के अनेक तरीके विकसित कर लिए थे।
- आधुनिक काल में भी भारत के कई राज्यों में इन परंपरागत विधियों को अपनाकर जल संरक्षण किया जा रहा है।
- जैसे-राजस्थान के बहुत से घरों में छत वर्षा-जल संग्रहण के लिए भूमिगत टाँकों का निर्माण किया जाता है।
- इसी प्रकार कर्नाटक के मैसूर जिले में स्थित एक गाँव में ग्रामीणों ने जल आवश्यकता की पूर्ति हेतु अपने घरों में छत वर्षा-जल संग्रहण की व्यवस्था की हुई है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न





- तमिलनाडु देश का एकमात्र राज्य है जहाँ पूरे राज्य में हर घर में छत वर्षाजल संग्रहण ढाँचों का बनाना आवश्यक कर दिया गया है।
- ज्यादा आबादी वाले नगरों में (जहाँ पीने योग्य पानी की कमी होती है) ये पद्धति अपनाकर जल की कमी को कम किया जा सकता है।